पाठ 7: गुप्त काल- अथक सृजनशीलता का युग

प्रश्न और क्रियाकलाप

प्रश्न 1. कल्पना कीजिए कि आपको गुप्त साम्राज्य में रहने वाले किसी व्यक्ति से एक पत्र मिलता है। पत्र का आरंभ इस प्रकार होता है- "पाटलिपुत्र से अभिवादन। यहाँ का जीवन सुखमय और उत्साह से भरा है। कल ही मैंने देखा..." गुप्त साम्राज्य में जीवन का वर्णन करते हुए एक संक्षिप्त लेख (250-300 शब्द) के साथ पत्र को पूरा कीजिए।

उत्तर:

पाटलिपुत्र से अभिवादन।

यहाँ का जीवन सुखमय और उत्साह से भरा है। कल ही मैंने देखा कि नगर के बाजारों में दूर-दूर से आए व्यापारी विभिन्न वस्तुओं का व्यापार कर रहे थे। यहाँ रेशम, मसाले, आभूषण और सुंदर वस्त्र आसानी से उपलब्ध हैं।

गुप्त साम्राज्य में शांति और समृद्धि का वातावरण है। लोग कृषि, व्यापार और शिल्पकला से जुड़े हुए हैं। सड़कों और नगरों की व्यवस्था अच्छी है। शिक्षा को भी बहुत महत्व दिया जाता है। अनेक विद्वान और विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करने में लगे रहते हैं।

राजा विद्वानों और कलाकारों को संरक्षण देता है। महाकवि कालिदास जैसे महान साहित्यकारों की रचनाएँ लोगों में लोकप्रिय हैं। विज्ञान और गणित के क्षेत्र में भी नई खोजें हो रही हैं। आर्यभट्ट जैसे विद्वान खगोल विज्ञान और गणित में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

धार्मिक सहिष्णुता भी देखने को मिलती है। विभिन्न धर्मों के लोग आपसी सद्भाव के साथ रहते हैं। मंदिरों और धार्मिक स्थलों में लोगों की भीड़ रहती है।

यहाँ का जीवन समृद्ध, सुरक्षित और ज्ञान से परिपूर्ण है। मुझे विश्वास है कि गुप्त युग आने वाली पीढ़ियों द्वारा स्वर्ण युग के रूप में याद किया जाएगा।

तुम्हारा मित्र
XYZ

प्रश्न 2. किस गुप्तकालीन शासक को 'विक्रमादित्य' के नाम से भी जाना जाता है?

उत्तर: चन्द्रगुप्त द्वितीय को 'विक्रमादित्य' के नाम से भी जाना जाता है।

प्रश्न 3. "शांतिकाल सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन, साहित्य तथा विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास लाने में सहायक होते हैं।" गुप्त साम्राज्य के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए।

उत्तर:

- गुप्त काल में राजनीतिक स्थिरता और शांति थी।
- इस कारण साहित्य, कला और संस्कृति का विकास हुआ।
- कालिदास जैसे महान साहित्यकार इसी काल में हुए।
- आर्यभट्ट ने गणित और खगोल विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- मंदिर निर्माण और मूर्तिकला का विकास हुआ।
- शिक्षा और ज्ञान के केंद्रों को प्रोत्साहन मिला।
- इसलिए गुप्त काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग कहा जाता है।

प्रश्न 4. किसी गुप्तकालीन शासक की राजसभा के एक दृश्य का नाटकीय रूपांतरण कीजिए, जिसमें राजा, मंत्री और विद्वानों जैसी भूमिकाएँ हों।

उत्तर:

पात्र: चन्द्रगुप्त द्वितीय, मंत्री, कालिदास, आर्यभट्ट, सभासद

दृश्य: राजसभा

राजा: हमारे राज्य की प्रगति के लिए आपके क्या सुझाव हैं?
मंत्री: महाराज, व्यापार और कृषि को और बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
कालिदास: साहित्य और संस्कृति समाज को समृद्ध बनाते हैं। विद्वानों को संरक्षण मिलना चाहिए।
आर्यभट्ट: विज्ञान और शिक्षा के विकास से राज्य और अधिक उन्नत होगा।
राजा: आप सभी के सुझाव महत्वपूर्ण हैं। हम शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति को प्रोत्साहित करेंगे।
सभासद: महाराज की जय!

प्रश्न 5. मिलान कीजिए-

अ	ब
(1) कांचीपुरम	**(क) जातक कथाओं को दर्शाने वाले जीवंत गुफा चित्रों के लिए प्रसिद्ध**
(2) उज्जयिनी	**(ख) चट्टान काटकर बनाई गई गुफाओं और विष्णु प्रतिमाओं के लिए प्रसिद्ध**
(3) उदयगिरि	**(ग) गुप्त शासकों की राजधानी**
(4) अजंता	**(घ) 'एक हजार मंदिरों का शहर' के रूप में प्रसिद्ध है**
(5) पाटलिपुत्र	**(ङ) प्राचीन भारत में शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र**

उत्तर:-

अ	ब
(1) कांचीपुरम	(ङ) प्राचीन भारत में शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र
(2) उज्जयिनी	(घ) 'एक हजार मंदिरों का शहर' के रूप में प्रसिद्ध है
(3) उदयगिरि	(ख) चट्टान काटकर बनाई गई गुफाओं और विष्णु प्रतिमाओं के लिए प्रसिद्ध
(4) अजंता	(क) जातक कथाओं को दर्शाने वाले जीवंत गुफा चित्रों के लिए प्रसिद्ध
(5) पाटलिपुत्र	(ग) गुप्त शासकों की राजधानी

प्रश्न 6. पल्लव कौन थे और उन्होंने कहाँ शासन किया?
उत्तर:

- पल्लव दक्षिण भारत का एक महत्वपूर्ण राजवंश था।
- उन्होंने मुख्य रूप से तमिलनाडु और उसके आसपास के क्षेत्रों में शासन किया।
- उनकी राजधानी कांचीपुरम थी।
- पल्लव शासक कला, वास्तुकला और शिक्षा के संरक्षक थे।
- महाबलीपुरम के प्रसिद्ध मंदिर और शैलकृत स्मारक उनके शासनकाल की देन हैं।

प्रश्न 7. अपने शिक्षकों के साथ निकट के किसी ऐतिहासिक स्थल, संग्रहालय या विरासत भवन की यात्रा का आयोजन कीजिए। यात्रा के बाद अपने अनुभव का वर्णन करते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट लिखिए।
उत्तर:

ऐतिहासिक स्थल भ्रमण रिपोर्ट

स्थान: राष्ट्रीय संग्रहालय (उदाहरण)
तिथि: _____
उद्देश्य: इतिहास और संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

हम अपने शिक्षकों के साथ राष्ट्रीय संग्रहालय के भ्रमण पर गए। वहाँ प्राचीन मूर्तियाँ, सिक्के, हथियार, चित्रकला और ऐतिहासिक दस्तावेज़ प्रदर्शित थे। संग्रहालय में भारत के विभिन्न कालों की सांस्कृतिक धरोहरों को देखने का अवसर मिला।
सबसे अधिक आकर्षक प्राचीन सिक्कों और मूर्तियों का संग्रह लगा। हमें गुप्त काल, मौर्य काल और हड़प्पा सभ्यता से संबंधित कई महत्वपूर्ण वस्तुएँ देखने को मिलीं। संग्रहालय के मार्गदर्शक ने प्रत्येक वस्तु का इतिहास और महत्व समझाया।
इस यात्रा से हमें यह समझने में सहायता मिली कि इतिहास केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे आसपास मौजूद धरोहरों में भी जीवित है। हमने भारतीय कला, संस्कृति और इतिहास के बारे में कई नई बातें सीखीं।

निष्कर्ष:
यह शैक्षिक यात्रा अत्यंत ज्ञानवर्धक और रोचक रही। इससे इतिहास के प्रति हमारी रुचि और समझ दोनों में वृद्धि हुई।

MUKUTclasses

To get notes visit our website

mukutclasses.in